संपादक:-
रामजी लाल बैरवा, पूरण मल बैरवा एवं बजरंग लाल बैरवा
सहयोगी:-
मुकेश कुमार योगी, रतन लाल योगी एवं कविता योगी

nirmaan
empowering communities

आपणो ढूंढाड़, आपणी भासा

साथण

जुलाई सूं सितम्बर-2020

अगर थे कोई कला चावअ छ, तो अस्यो बेवार करो, जे थांकअ खनअ पअली सूं छ।

ढुंढाड़ी भासा मंअ सरकार की योजना

टिड्यां को दल आवअ जद, रोकबा मंअ, पाळत्यां कअ तोड़ी जाणकारी

पाळत्यां नअ यो काम करणो चाईजे।

1. टिड्यां आबा की सई जाणकारी खेती-बाड़ी याळा दफ्तर मंअ या सांकड़अ का अधिकारी नअ बेगा-सा देवो।

2. टिड्यां अण्डा देबा की जगां, टेम अर तारीक की जाणकारी बेगा-सा सांकड़अ का अधिकारी नअ देवो।

3. जीं ठोर पअ टिड्यां अण्डा देवअ छ, ऊं ठोर नअ खोद'र पाणी पटक'र या जोत नखाळ'र खत्म करद्यो।

4. टिड्यां का बच्या का झुण्ड नअ रोकबा कअ तोड़ी दोपअर का टेम नअ छोड'र कद्यां बी करो।

5. टिड्यां का बच्या नअ रोकबा कअ ताणी खाडा त्यार करो अर टिड्यां ऊंमअ पड़तांई वांनअ खत्म कर द्यो।

6. टिड्यां की दुवाई को छड़काव सुंवांरई बेगा या रात मंअई करो।

7. गांव मंअ रात की टेम चोपाल मीटिंग रांख'र सगळा पाळत्यां नअ टिड्यां की जाणकारी देवो।

8. पोदां नअ बचाबा कअ तोड़ी ईं दुवाई नअ काम लेवो:-(क्लोरपायरीफास 20 परतिसत ई.सी., क्लोरपायरीफास 50 परतिसत ई.सी., डेल्टामेथीरन 2.8 परतिसत ई.सी., डेल्टामेथीरन 1.25 परतिसत यू.एल.वी., डाइल्यूबेन्जूरान 25 परतिसत डब्ल्यू पी, लेम्ब्डासाईहेलोथीरन 10 परतिसत डब्ल्यू पी, मेलाथियान 50 परतिसत ई.सी., मेलाथियान 25 परतिसत डब्ल्यू पी., डस्ट-फेनवलरेट 0.4 परतिसत डी.पी., क्यूनालफास 1.5 परतिसत डी.पी., मेलाथियान 5 परतिसत डी.पी.)

8. ईं दुवाई नअ देवअ जद हात मंअ हत्ता, आंख्यां पअ चुचमा, नाक अर मूण्डा पअ कपड़ो बांद'र ई छड़काव करो अर सरीर पअ दुवाई पड़ज्या तो ऊंनअ बेगा-सा स्याबण सूं धोल्यो।

9. सरीर पअ कोई घाव छ, तो ऊंपअ मोटी पट्टी बांद'र ईं दुवाई को छड़काव करो।

10. छड़काव करती टेम पअ छोटा बाळकां अर ढाण्डा-डोरां नअ दूरां रांखो।

11. पोदां की दुवाई को छड़काव करती टेम पअ काम मंअ लियेड़ा हात, आंगळयां अर दूसरां कोई ओर अंगा नअ बडिया धोवो।

12. टिड्यां की सई पचाण करो।

टिड्यां का बारा मंअ देबाळी जाणकारी :-

टिड्यां नअ रोकबा का बारा मंअ कारगर, असरदार अर चोखो रोकबा की उपाई करबा कअ तोड़ी वांकी चाल चलण सूं जाणकारी करबा कअ तोड़ी वांको आकार, उडबा की दसा, रंग, झुण्ड ओर बी जाणकारी करबो जरूरी छ।

(अ) उडबाळी टिड्यां का झुण्ड :-

1. टिड्यां का झुण्ड नअ देखबा की ठोर, टेम अर वांनअ देखबा की तारीक।

2. ऊं दसा को नांव बताओ? जण्डी सूं टिड्यां को दल उडतो आर्यो छ अर दूसरी दसा वा जिमंअ उडतो जार्यो छ।

3. टिड्यां को दल, स्यांगणो छ या छीदो छ?

4. वांको रंग कस्यो छ?

5. वांको आकार लम्बाई अर चोड़ाई का स्याब सूं बताओ?

(ब) बअठेड़ी अर सान्त टिड्यां को दल :-

1. देख्या जे ठोर, टेम अर तारीक बताओ?

2. वांको रंग बताओ?

3. दल को लगभग आकार (कतरी चोड़ी ठोर मअ'र छी) बताओ?

4. फसलां अर पेड-पोदां को नांव बताओ जण्डअ

टिड्यां को दल बअठ्यो छो अर वासूं हियेड़ो कोई नुकसाण छ तो बताओ?

5. यदि ऊपर-तळअ चडेड़ी (संभोगरत)

पाळत्यां नअ यो काम न करणो चाईजे।

1. टिड्यां आबा की झूंटी अर अदूरी जाणकारी देबा सूं बचो।

2. दुवाई को छड़काव कर्यां पाछअ टिड्यां नअ भेळी मत करो।

3. दुवाई को छड़काव करेड़ी फसल जियां घास, पेड-पोदां, की ठोर पअ ज्यांनबरां नअ मत जाबा द्यो।

4. बच्या का झुण्ड नअ मारबा कअ तोड़ी दुवाई को छड़काव, कद्यां बी दोपअरी मंअ मत करो।

5. पोदां मंअ दुवाई दे जद जल्दबाजी मत करो।

6. टिड्यां नअ रोकबा कअ तोड़ी दन मंअ दुवाई को छड़काव मत करो।

7. पोदां मंअ दुवाई देती टेम बीड़ी-सगरेट, जरदो-गुटको मत खावो-पीवो ।

8. पोदां मअ जादा दुवाई मत देवो।

9. पोदां मंअ दुवाई देती टेम कांईं बी चीज मत खावो-पीवो।

10. पोदां मंअ दुवाई को छड़काव सुरक्सा किट पअर्यां बना मत करो।

11. पोदां मंअ दुवाई दियां पाछअ हात अर सरीर का सगळा अंगा की चोखी सफाई कर्यां बना कोई बी चीज नअ मत खावो-पीवो।

12. रामजी का घोड़ा अर फड़कला नअ टिड्यां मत समजो।

(स) टिड्यां अण्डा देबो :-

1. चोखी ठोर पअ : जण्डअ टिड्यां अण्डा दी छ।

2. जगां, गांव, तअसील अर जिलो बताओ?

3. यदि तारीक को पतो हअ तो बताओ, जद टिड्यां को दल अण्डा दे छ अर अण्डा का परकोप सूं हियेड़ा इलाका कअ आस-पास की खड़ी फसल, पेड-पोदां अर बाग की जाणकारी द्यो।

(द) टिड्यां का बच्या :-

1. टिड्यां का बच्या नअ देख्या जिंकी टेम, ठोर अर तारीक बताओ?

2. वांको आकार छोटो छ या बडो छ?

3. वांको रंग कस्यो छ? काळो, गुलाबी अर पीळो।

4. टिड्यां का बच्यां कतरीक ठोर मंअ फअलेड़ा छ?

5. टिड्यां का बच्या का परकोप सूं हियेड़ी फसल अर पेड-पोदां को नांव अर कोई नुकसाण हियो छ, तो बताओ?

6. अगर थे टिड्यां दल नअ देख्या छा या वांका बारा मंअ थांनअ कोई जाणकारी मली छ, तो सगळी जाणकारी का बारा मंअ पतो लगार नीचअ दियेड़ा कार्यालय पअ जाणकारी द्यो।

7. सांकड़अ का टिड्डी दफ्तर, कोई बी खेती-बाड़ी दफ्तर, लेखा-जोखा दफ्तर, पंचायत दफ्तर, इसकूल अर डाकघर कोई बी दूसरा सरकारी दफ्तर का लम्बरां पअ फून कर'र बताओ।

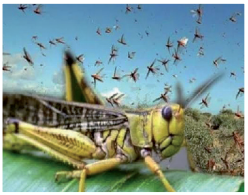

जादा जाणकारी कअ तोड़ी

सांकड़अ का खेती-बाड़ी याळा दफ्तर मंअ खेती की जाणकारी देबाळा अधिकारी सूं मलो या किसान कोल सेन्टर लम्बर 18001801551 पअ बात करो।

ढुंढाड़ी भासा मंअ मुवावरा

1. तापड़ा तोड़बो।

अर्थ= जल्दबाजी करना।

वाक्य में प्रयोग:- सोनू सूं काम तो हअ कोनअ अर वो बेलदारां पअ तापड़ा तोड़बअ लागज्या छ।

2. तोल पड़बो।

अर्थ= मालूम हो जाना।

वाक्य में प्रयोग:- राजू की सगळी बातां को मदन नअ तोल पड़ग्यो।

ढुंढाड़ी भासा मंअ कावतां

1. ढळती उमर अर बअतो पाणी कद्यां बी कोन रूकअ।

अर्थ = उम्र का कम होना व बहता हुआ पानी कभी भी नहीं ठहरता है।

2. ढाई हात की लकड़ी अर नो हात को बीज।

अर्थ = अनहोनी बात होना।

3. तेल न मठाई, चूला पअ धरी कड़ाई।

अर्थ = बिना साधन के काम करने के लिए सोचना।

सम्पर्क

निर्माण सोसायटी

वार्ड नं. 6, तकिया मस्जिद के पास, काली हवेली के पीछे,
देशवालियों का मोहल्ला, चाकसू, जयपुर, राजस्थान–303901
Ph.-01429-243997, 9982668204, 9887748510
Email- rajasthanlanguages@nirmaan.org.in
Web- www.nirmaan.org.in